'समानो मन्त्रः समितिः समानी'

UNIVERSITY OF NORTH BENGAL

B.A. Honours 6th Semester Examination, 2022

DSE-P4-HINDI (604)

Time Allotted: 2 Hours | Full Marks: 60

The figures in the margin indicate full marks.

पत्र संख्या **DSE-604A** 'राष्ट्रीय काव्यधारा' तथा पत्र संख्या **DSE-604B** 'संपादन प्रक्रिया और साज-सज्जा' में से किसी एक पत्र का उत्तर लिखिए।

DSE-604A

राष्ट्रीय काव्यधारा

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 3×4 = 12

(क) मैथिलीशरण गुप्त कृत किन्हीं तीन ग्रंथों के नाम लिखिए।

(ख) हिंदी के किस विद्वान से प्रेरणा ग्रहण कर मैथिलीशरण गुप्त ने 'साकेत' काव्य की रचना की ? उस प्रसिद्ध निबंध का नाम लिखिए जिसका प्रभाव 'साकेत' पर पड़ा था।

(ग) माखनलाल चतुर्वेदी द्वारा रचित किन्हीं तीन काव्य-ग्रंथों के नाम लिखिए।

(घ) पुष्प पथ पर फेंके जाने की इच्छा क्यों व्यक्त करता है ?

(ङ) किन रचनाओं के लिए रामधारी सिंह 'दिनकर' को 'साहित्य अकादेमी' एवं 'ज्ञानपीठ' पुरस्कारों से सम्मानित किया गया था ?

(च) रामधारी सिंह 'दिनकर' कृत किन्हीं तीन रचनाओं के नाम और उनका प्रकाशन वर्ष लिखिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पद्यांशों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए – 6×4 = 24

(क) ''करके पहाड़ सा पाप मौन रह जाऊँ ?
राई भर भी अनुताप न करने पाऊँ ?''
उल्का-सी रानी दिशा दीप्त करती थी,
सबमें भय, विस्मय और खेद भरती थी।

(ख) ''वे मोह बंधन मुक्त थे, स्वच्छंद थे स्वाधीन थे।
सम्पूर्ण सुख संयुक्त थे, वे शांति शिखरासीन थे।।''

(ग) ''मुझे तोड़ लेना बनमाली, उस पथ पर देना तुम फेंक!
मातृ-भूमि पर शीश-चढ़ाने, जिस पथ पर जावें वीर अनेक!''

(घ) ''जीवन पर अब दिन-रात कड़ा पहरा है,
शासन है, या तम का प्रभाव गहरा है ?''

(ङ) ''ओ, मौन, तपस्या-लीन यती!
पल भर को तो कर दृगुन्मेष!
रे ज्वालाओं से दग्ध, विकल
है तड़प रहा पद पर स्वदेश।''

(च) ''मरघट में तू साज रही दिल्ली कैसे श्रृंगार ?
यह बहार का स्वांग अरी इस उजड़े चमन में!''

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए – $12\times2 = 24$

(क) 'कैकेयी का अनुताप' कविता के भाव-सौन्दर्य को स्पष्ट कीजिए।

(ख) माखनलाल चतुर्वेदी के काव्य में निहित राष्ट्रीय-चेतना पर विचार कीजिए।

(ग) रामधारी सिंह 'दिनकर' की कविताओं में राष्ट्र-चेतना के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

(घ) मैथिलीशरण गुप्त की काव्य-भाषा पर सविस्तार विचार कीजिए।

DSE-604B

संपादन प्रक्रिया और साज-सज्जा

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए – $3\times4 = 12$

(क) 'संपादन' से क्या तात्पर्य है ?

(ख) प्रिंट मीडिया से क्या तात्पर्य है ?

(ग) 'समाचार' के दो उद्देश्य बताइए।

(घ) 'शीर्षक लेखन' से क्या अभिप्राय है ?

(ङ) प्रिंट मीडिया के दो उदाहरण दीजिए।

(च) 'लीड' से आप क्या समझते हैं ?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए – $6\times4 = 24$

(क) संपादन कला का उद्देश्य बताइए।

(ख) समाचार के प्रमुख मूल्यों पर विचार कीजिए।

(ग) समाचार में शीर्षक का महत्व बताइए।

(घ) समाचार में निष्पक्षता का महत्व बताइए।

(ङ) 'आमुख' का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

(च) 'वर्तनी पृष्टिका' पर टिप्पणी कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए – $12 \times 2 = 24$

(क) संपादन कला के सामान्य सिद्धांतों पर प्रकाश डालिए।

(ख) प्रिंट मीडिया में प्रयोजनपरक शब्दावली के महत्व को समझाइए।

(ग) संपादन कला के सामाजिक संदर्भों पर विचार कीजिए।

(घ) संपादन-प्रक्रिया के विभिन्न चरणों पर प्रकाश डालिए।

——×——